OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

OneWorld-UNDP Webinar on Building Capacity of Community Radio Stations to Fight COVID-19

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

सामुदायिक रेडियो वक़्त की आवाज़ 91.2 बैरी दरियाव कानपुर देहात

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

वक़्त की आवाज़ की सफर

25 सितम्बर 2013

ब्रॉड कास्टिंग टाइम – 10 घंटे प्रतिदिन

कवरेज एरिया – 15 से 20 किलोमीटर

कुल जन संख्या -3,55,640 पांच ब्लाक (मैथा, अकबरपुर, रसूलाबाद ,चौबेपुर, शिवराजपुर)

कुल श्रोता – 1,23,600,

नियमित श्रोता – 93,000

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

ब्राडकास्ट प्रोग्राम कोविड 19

2 घंटे प्रतिदिन , लाइव ,एंड रिकार्डेड

1. कोरोना मिशन नम्बर दो
2. टेस्ट इज बेस्ट
3. कोरोना किट
4. कोरोना गाथा (धर्म गुरुओ के साथ),
5. वैक्सीन से दोस्ती कोरोंना से मुक्ति,
6. कोरोना को करेंगे कोरनटाइन,
7. ग्राम विचार मंच ,
8. अफवाहों से किनारा ,
9. टीके की उत्सुकता
10. जिंगल्स / लोक गीत |

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

सौर ऊर्जा संचालित यह रेडियो स्टेशन बना गांववालों का 'डॉक्टर'

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

कानपुर | अनिल यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं जिला स्वस्थ होगा तो देश स्वस्थ होगा। जिला तभी स्वस्थ होगा जब गांव स्वस्थ होंगे। उन्हीं के इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए देश का पहला पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा से संचालित रेडियो स्टेशन कोरोना के खिलाफ गांववालों को सशक्त बना रहा है।

इस सामुदायिक 'रेडियो वक्त' की आवाज ने 500 गांवों के लोगों का नजरिया बदल दिया है। समझेंगे और जीतेंगे, वैक्सीन से दोस्ती-कोरोना से मुक्ति, लाइव फोन-इन जैसे कार्यक्रम

कोरोना की पहली लहर के लोकप्रिय कार्यक्रम

कोरोना गाथा : कोरोना की पहली लहर आने पर 30 मिनट के इस विशेष कार्यक्रम से लोगों को बचाव व लक्षणों की जानकारी दी जा रही थी। लोगों के सवाल आते थे कि हमारे यहां कोरोना नहीं है। इसलिए मास्क नहीं लगाएंगे। संवाद के जरिए लोगों को इसकी उपयोगिता समझाई गई।

क्वारंटीन के पन्ने : इसमें 52 एपिसोड बनाए गए थे। जागरूकता के अभाव में गांव वाले लापरवाही बरतते हैं। बाजार गए तो लौकी खरीदते समय उसमें नाखून गड़ा दिए, तरबूज है तो उसे सूंघने लगे इन जैसी छोटी-छोटी आदतों से होने वाले नुकसान के विषय में बताया गया। यह कार्यक्रम रोज शाम को करीब 10 मिनट चलाया जाता है। इस कार्यक्रम से गांववाले कोरोना कैसे फैल सकता है जान चुके हैं।

दूसरी लहर के लोकप्रिय कार्यक्रम

कोरोना किट : दूसरी लहर में होम आइसोलेशन के दौरान क्या-क्या सावधानियां बरती जां। कैसे जानें की हमारा ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा है, हॉस्पिटल जाने से पहले हम क्या प्राथमिक उपचार कर सकते हैं।

समझेंगे और जीतेंगे : कोरोना का खौफ दूर करने के लिए ग्रामीणों को तरह-तरह की स्टोरियां सुनाई जाती हैं। फोन-इन कार्यक्रम पर विशेषज्ञों की बातों को सुन एक ग्रामीण ने तो अपनी पत्नी की जान भी बचा ली थी।

वैक्सीन से दोस्ती : वैक्सीन को लेकर ग्रामीणों में तमाम भ्रांतियां हैं। रोज फोन-इन के दौरान किसी का सवाल आता है कि उन्होंने वैक्सीन लगवाई और मर गए। उन्होंने लगवाई बुखार आ गया। वैक्सीन लगवाने के बाद क्या करें। इन जैसे सवालों के जवाब एक्सपर्ट देते ह। यह कार्यक्रम दोपहर 12-1:30 तक चलता है।

500 गांवों को शिवली स्थित सामुदायिक रेडियो 'वक्त की आवाज' कोरोना के बीच जीना और उससे लड़ना सिखा रहा है।

03 जिलों कानपुर, कानपुर देहात, उन्नाव के लोगों को जागरूक करने वाला यह रेडियो स्टेशन देश का पहला ऐसा स्टेशन है जो सौर ऊर्जा संचालित है।

अनूपपुर गांव में 'वक्त की आवाज' पर फोन-इन कार्यक्रम सुनती महिलाएं।

कोरोना में जन जागरूकता में वक्त की आवाज अहम भूमिका निभा रहा है। रेडियो के तमाम कार्यक्रम ग्रामीण भाषा शैली में परोसे जा रहे हैं ताकि गांवों में कोरोना का प्रसार को रोक सके।

-राधा शुक्ला, रेडियो स्टेशन मैनेजर

लिए कोरोना के डॉक्टर से कम न हैं।

जी हां! हम बात कर रहे हैं कानपुर से 20 किलोमीटर दूर शिवली थाना

सामुदायिक रेडियो स्टेशन 91.2 एफएम 'वक्त की आवाज' की। जिसे कानपुर, कानपुर देहात और उन्नाव के 500 गांवों में पसंद किया जाता है।

इसकी नींव सामाजिक संस्था श्रमिक भारती ने रखी। हरियाणा में स्थापित अल्फाजे मेवात कम्युनिटी रेडियो स्टेशन बिजली और सौर ऊर्जा से

संचालित होता है पर यह पहला पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित होता है। खास बात यह है कि काम करने वाले अधिकांश लोग ग्रामीण परिवेश के हैं।

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

कोरोना के समय समुदायिक रेडियो की भूमिका

कोरोना के समय गाँवों में जन जन तक सूचना का एक ही माध्यम था समुदायिक रेडियो, लाईट ना होने के कारण लोगो के टीवी भी नहीं चल रहे थे ,पेपर वाला भी नहीं , या मोबाइल रिचार्ज नही थे तो लोगो को कोरोना से जुड़े सवालों को पूछने , जानने का माध्यम बना वक़्त की आवाज़ ,, उन गावो में वालींटियर की मदद से डोर टू डोर कैपेन किये , आक्सीजन की कमी से बचाने के लिए आशाओं ,आगनवाडी को प्रोनिंग के लिए तैयार रखा, और आस पास के 21 लोगो की प्रोनिंग से जान बचाई , वैक्सीन के रजिस्ट्रेशन के लिए यूथ महिला ,पुरुष टीम को ट्रेंड किया रेडियो के माध्यम से और गाँव स्तर पर भी, जिस करण यहाँ पर वैक्सीन प्रति दिन 100% लग रही है |

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

कोविड के दौरान चुनौतियां

- कोविड के बारे में समझा पाना |
- कोविड के दौरान अन्य बीमारियों से जूझ रहे लोगो को मानसिक तनाव से बचाना |
- कोविड टीकाकरण व कोविड को लेकर अफवाहों को रोक पाना
- मास्क व हाथ धोने की आदत को समझाना
- एक्सपर्ट का अभाव
- बच्चों का एंगेजमेंट
- मानसिक तनाव पर नियंत्रण

OneWorld.net
OneWorld Foundation India

UNDP

धन्यवाद

वक्त की आवाज़
सामुदायिक रेडियो 91.2 FM
ग्रा0- बेरी दरियाव, ब्लाक-मैथा, कानपुर देहात